Semester VI

MJC – 10

International Economics

Instruments of Trade Policy

Study the material provided in the following links

https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/98630/1/Unit-1.pdf

इस link के माध्यम से आप अंतरराष्ट्रीय व्यापार के एडम स्मिथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत के मूल उपकरण को समझ सकते हैं।

- theory of absolute advantage

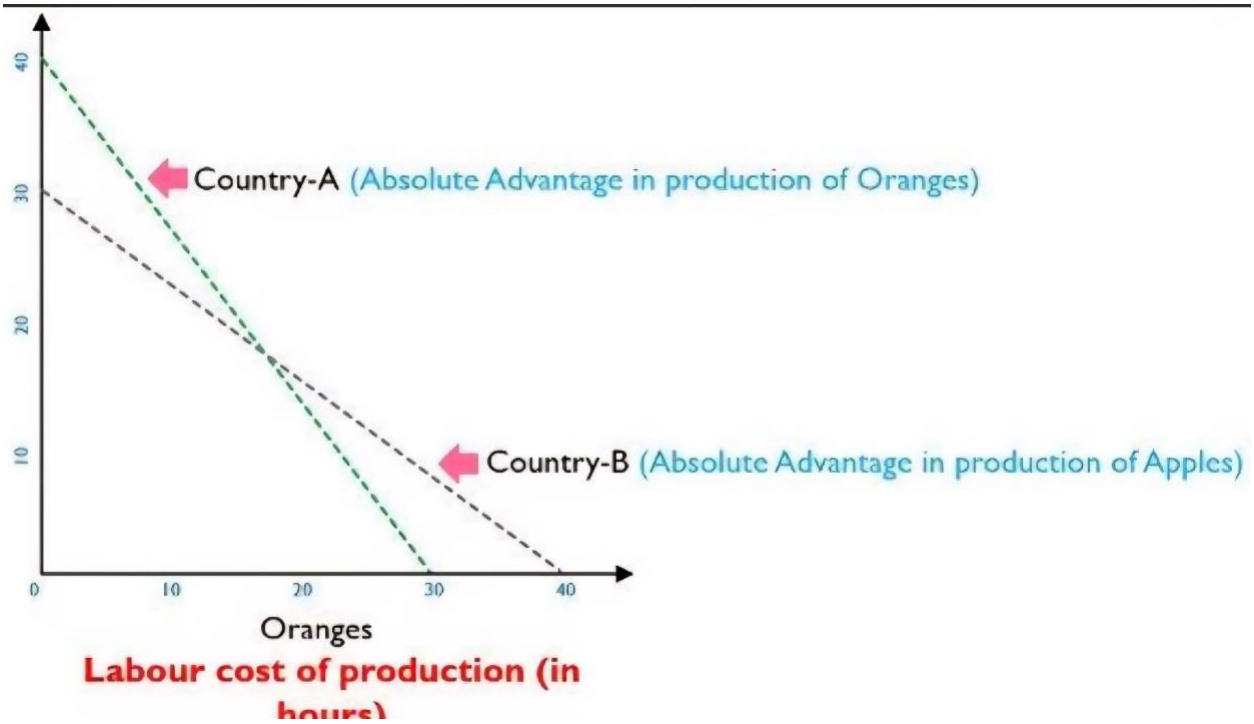

- Adam Smith's Theory of Absolute Cost Advantage | Economics
- एडम स्मिथ द्वारा 1776 में प्रतिपादित निरपेक्ष लाभ का सिद्धांत (Theory of Absolute Advantage) बताता है कि यदि एक देश किसी वस्तु का उत्पादन दूसरे देश की तुलना में कम लागत या अधिक कुशलता (कम संसाधनों/श्रम) से कर सकता है, तो उसे उस वस्तु के उत्पादन में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए और उसका निर्यात करना चाहिए। यह सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देता है।
- निरपेक्ष लाभ सिद्धांत की मुख्य बातें:
- मूल प्रतिपादक: स्कॉटिश अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक "वेल्थ ऑफ नेशन्स" में इसका वर्णन किया था।

- अवधारणा: जब कोई देश किसी वस्तु का उत्पादन करने में अन्य देशों की तुलना में अधिक कुशल (कम इनपुट, बेहतर तकनीक) होता है, तो उसे 'निरपेक्ष लाभ' प्राप्त होता है।
- विशेषज्ञता और व्यापार: देशों को उन वस्तुओं का उत्पादन करना चाहिए जिसमें उन्हें निरपेक्ष लाभ हो और अन्य वस्तुओं का आयात करना चाहिए। इससे विश्व उत्पादन में वृद्धि होती है।
- उदाहरण: यदि भारत कपड़े का उत्पादन अधिक कुशलता से कर सकता है और जापान कार का, तो भारत को कपड़े और जापान को कार बनाने में विशेषज्ञता प्राप्त करनी चाहिए, और दोनों को व्यापार करना चाहिए।
- उद्देश्य: यह सिद्धांत बताता है कि कैसे व्यापार के माध्यम से सभी देश लाभ उठा सकते हैं और अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकते हैं।
- यह सिद्धांत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में "मुक्त व्यापार" (Free Trade) का समर्थन करता है, न कि वस्तुओं को संचित करने का।

Other Useful Links

https://corporatefinanceinstitute.com/resources/economics/what-is-absolute-advantage/

https://www.scribd.com/document/750981933/1-Absolute-Advantage-Theory